

1171 काशी

६३५

कुविद्याया (५५)

आशा शक्ति काथि

678

ASHA ARCHIVES

(203)

हं न मन्त्री गु स कति गां णिं गं ग न कत रु
ना ॥ कार ३ ॥ धु मे त्र न दो का सं ॥ वृ प
हृ प्रा न प्र मे ५ ॥ ई सा प्रि स प्र ग र त् म् व ॥
सा रु ॥ कार १८ ॥ को सि ता प्र स्या रा ग्या ॥
शि ध व ज व ल वा र मि सा या ना क या प्य ॥
शि सा नि के ज् न र ॥

ऊन मोनि ग्रन्था ग्या ॥ नृ सान सत्तुल्य च ला इशाठ
सात बार कोनि दे ७ ॥ सत्तुल्य को मोनि दे ७ ॥ ला
सात स प्र दे वा नि ॥ सत्तुल्य सात स प्र दे वा नि ॥
प्र जे जा वला ॥ नल सिंघ विल ॥ हत्तु मान विल ॥ न
का स मा नि ॥ सत्तुल्य को कोनि दे ७ ॥ सत्तुल्य को

हं सत्तुल्य गंग नि दे ७ ॥ सत्तुल्य को हं सत्तुल्य
दे वं ॥ प्रेकार वति कोनि ॥ सत्तुल्य को दे ७ ॥ इ
सत्तुल्य का ला हं हं हत्तुल्य ला हं ॥ धात १००
धात ॥ क ह का ॥ क हि ला का ॥ ति मा ॥
सत्तुल्य ॥ ति मा सत्तुल्य या य ॥ प्र सत्तुल्य क य सत्तुल्य

स्यायन्नयल पाव या य स नुल को इ चार तो कथ

मिमा त न म डू द य क॥ ॥ ह न द। व ह न द अ व न वि
य नि मा य न व न व १ कस्ति थ न व न नान य मि वा
या त न म डू द य क॥

अ म न वि त या म न व ज ३ न वा मा य या ता वा

वा त वि

ता न क। ना यि डू ४। ह न दः अ म ना पि व नि गि नि।
न क जि नि म स्त क न। लु व क स वि य यं गू न वं
वि ज। जि त ह। न न ला। अ दे स। सा य न क स्ति त
वा ना न क वा त वि त मा ला ३४। ति रु ना पि व लि।
आ द स। ह का ने ० स म नि ग पु न क क न व न
न क वि त य वि क। मा

गुडकिप्र गति श्री लो स गति १० सरि मा ला दे व
कि मा शा रो जि दा प्र थो म न न न लो ॥ ॥ ॐ नम
गुह्य मा ज्ञा दा क पा गु ल म र ल वे दो ष ना स ॥
मु मा र्त्र यत् क दे स हु जु पु सा त य ॥ थो म र्त्र न
॥ ॐ नम श्री गु ह्य मा ज्ञा ॥ ॥ ॐ रा मा वा ल सि वा
सि ता घा ल ति ल न ल चार वा ति मु ति कुं प त सा

ह ॥ चार ॥ २ ॥ ति दि प्र म र्त्र थो म र्त्र न पु य ॥
वि क न स मो ति प र य मु ना नं म वा न का व
म म सि धी मो ति रा त मो ति न स र्व मो ति नि का
त्र स मो ति नि वा म ल पा थो ॥ ॥ ॥ मु के व म
मु के व म स ति ॥ मो ल दे ने म क प्र के ता वा स म
ल द अव द वि ह को मु था न पा त प ल न न ल ॥

ॐ श्री यमधिष्ठाता पुनावा जाने था स मास्मि .
कृमिजुल साकि ज्वल काव थो म त्रे न स्वा
न पुमावकि त न दे प्र सो द ॐ का व वि ॐ व
पुना पा प्रकी त ल का प्रजि पि व ॥ थो मन ॥
ॐ व म न्ना सि यि वि ना प क ॥ ॐ व म न्ना सि यि

गुरुमि यि आ ज्ञा का मु द्वां दे वि कि आ ज्ञा
न रुमि धा कि आ ज्ञा गुरु ॐ श्री र कि आ ज्ञा
कि नि हो मु दी र भ त का र था धा का रे क ता न
वा र प मु द्वा रे त स्वा सा धा रे ॥ ॐ ॥ थो म न्ना व पु
म त म्ना र पा प्र कि ज्व ल हो लो तु पु न म्ना रे म्ना

ॐ नमः श्रीसिद्धिस्तुतिगांगिजंगनकृतं स्थाहां ॥ धार

॥ १ ॥ थोमं तं नंदोकाष्टं युयुधुयां भयमयु ॥

१५ ८ ॐ स्वा मिसयुगहुतमुषा स्थाहां ॥ वेवो सिरामस्या
आज्ञा थोमं तं धार ॥ १५ ॥ सिंधलयां मिसाया नाम द्वि
थाने १ केचकं मिसावसेजुलो ॥ १६ ॥ जयल

सि
ॐ नमः श्रीसिद्धिस्तुतिगांगिजंगनकृतं स्थाहां ॥ धार ॥
॥ ५ ॥ वेजुजोगिनिया मुलनं ॥ १७ ॥ नमो ईश्वरिवनक
लिगुरुकिवाचा ॥ धार ८ ॥ थोमं तं नमो तं निजयलयं
मिसाया ककिचके धिदुय ॥ १८ ॥ ॐ माहादेव पारव
ति किम्रा लभा गुरु साशु द्विषलं स्थाहां माहादे

शत नवग्रह ॥ मिश्रवा स्याद ००५५

ॐ नमो गुरु राज्ञाः वाउनी भेतमाहः च वैसेनी भेतमा
हः चक्र भेतमाहः दात्री क भेतमाहः सुत्रनी भेत
माहः चक्र भेतमाहः नि भेतमाहः चक्र भेतमाहः
वसनि भेतमाहः चक्र भेतमाहः दन वानि भेत

माहः चक्र भेतमाहः दमाइनी भेतमाहः व्या
पांनी भेतमाहः चक्र भेतमाहः व्रत चारी भेत
माहः चक्र भेतमाहः सावित्री भेतमाहः च
क्र भेतमाहः प्रह्यानी भेतमाहः चक्र भेतमाहः
कुमातनी भेतमाहः चक्र भेतमाहः मरस्यानी भेत

त मा रूः चक्र भेत मा रूः पा रू नी भेत मा रूः चक्र
भेत मा रूः गो रा पा रू व ता मा हा दे व का स वा सह स
गु रू के स ते वा वा । (४) । गं ग सि सि जु या गं सि जु या
उ प का ल हा कु स हं स १ क ल काः जु १ त या कु स क
॥ ३ ॥ प का ह लु म ना १ द का मा ना ॥ म्वा त म ना ॥ त यः

वा या ल नू च या वि धि या य चो यो पि ने स्व का
ल स त य केः लो गः सा त जु यी ॥ ४ ॥ ग्व रा कि नं हा
र फो रौ ज ल्या चो रा के रौ भा उः का रि ना ग वू वि
जा नू गी नी ना गः ज ल ना गः थ ल ना गः श चो र ना ग
स ह स गु रू का स ते वा वा यो भेत ना शि जाः प ह्नी

मदीसा चली जा हा मा गु रना गर जा सते वा वा ४॥
ज व तु ति न रु व गु वा का य मु सां पान ली स उ त्त र्पि यो य
स वु या क स पु ने ॥ धर ॥ २१ ॥ ज पा त य ल छी नि स्य सि
य द इः बु ला छी सी ना व नी ज ल ४ ॥ ॥

श पां ता स वि व धि ला छ वा स स चो गु र पा त य वु सि
या इ ता पी ता या वा क याः व रें व र ज य क ल ना म
पु थ यः गि कु मं वा पा थ्ये छ र व ल भू नाः श्व स या गु
नाः मा ल व ल या गु नां चो या ल लू प या गु लि
ध न्यः पु जा या य कु स या ची पु १ कु ल काः पू ची ना

नरसिंह यामत्रंदायली १०० ३ या य

ॐ श्री गुरु नाना गो रचना धी जो गी नी पंचना वहुहुं

फट स्वा हा ॥ चार ७ न प स वी वि द्या लिका य जी व

जा कि न जी व ४ ॥ ॐ ह्रीं किं फट स्वा हा ॥ चार ७

हा कु भौ यां हि प का ची की ध स ता त स्थ भ जल उले

एत्री स मे व न म य नी

ॐ म दुःपु तु जी न व धो म त्र ॥ चार ७ ॥ व ता सि ठ

जी फे वे न त्र ४ ॥

ॐ श्री का स मा हा भै र व म हा वि र प रा क म किं री स हा

ता य स्वा हा

ॐ महाए० हलवडः का हि निः वि म वा हि निः
म न का म ना मा यिः ता ग हा नः विः रि म स
न ग्री ग रूः ग न स १॥ सर्व मं गः द प १०२ डे व
प य धा ७ = ६

ॐ नमो भगवति रुद्राय नीमहे स्वराय नदाम
दरद्राय केह कदा नीफठ स्वरा ॥ जत्का नाम स
तसं जाय जाव करै सत्रुमरै सादी न नीत्र जप
२००० सरु सरु याही १००० शप याय सत्रुमाया ॥

१ काथा सथिलसाः मीसां कालः तसां कदः पूर्व सयनः
२ सिकाथा सथिलसाः आयगाल सायनः मिन्ननयनः
लूयका मः वल्लुनं लूयः ३ सा काथा सथिलसा वल्लुनं
सयनः निष्कश्य नः सिका विवात प्रम्याल सायनयन हाकु
रका सथिलसा ॥ ४ पकाथा सथिलसाः वल्लुनं सा

असि बन्धु ॥ वा मया ह
ममो बन्धुः

नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 श्रीगुरुशिष्याणां ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 अथ पाठः ॥ इह सुखं

[illegible]

२८ गानिष्पत्तुः — ३
 एषा मन्त्रं यस्मिन् निम्नः
 कस्मिन् एषिष्मन्नाशना
 न कः, किं का ययकं
 मसः

हृदयपुस्तकः ॥ ५५ ॥ कथिप
कथिपुस्तकः ॥ ५५ ॥ कथिप
कथिपुस्तकः ॥ ५५ ॥ कथिप

कनं ३ सं १२ स्त्री यावसा ॥ अं ३ व के सं
३३ ठि सं १२
॥ ३ सं ॥ ३ मि स सियं ॥ किं
वसिसगया ३ न के ॥
किमि कयययाय ॥

कुल ३ वानु मि
पुल ३ साधन
कुल ३ साधन
कु १ विनिमो वस
३ ॥ ३ विपता
३ १ विपता
३ १ मनव
३ १ मुफि
३ १ विगकसि
३ १ वायु विदव
३ १ नग मुधा
३ १ पवाही
३ १ सुता ३ दि
३ १ पुका ३ ता
३ १ म द वा ता

॥ अं ३ व के सं
॥ ३ मि स सियं ॥ किं
॥ ३ सं ॥ ३ मि स सियं ॥ किं
॥ ३ सं ॥ ३ मि स सियं ॥ किं

गाना ३ वानु मि
पुल ३ साधन
कुल ३ साधन
कु १ विनिमो वस
३ ॥ ३ विपता
३ १ विपता
३ १ मनव
३ १ मुफि
३ १ विगकसि
३ १ वायु विदव
३ १ नग मुधा
३ १ पवाही
३ १ सुता ३ दि
३ १ पुका ३ ता
३ १ म द वा ता

नियः कृतमि

कलाः कृत

विषयः इति

सप्तसप्तशतम्

सप्तशतः, द्वि

सप्तशतम्,

सप्तशतम्

सप्तशतम्

सप्तशतम्

विषयः सप्तशतम्

पुनः सप्तशतम्

सप्तशतम्

सप्तशतम्

सप्तशतम्

सप्तशतम्

सप्तशतम्

सप्तशतम्

सप्तशतम्

नमोः सप्तशतम्
सप्तशतम्
सप्तशतम्
सप्तशतम्
सप्तशतम्

सप्तशतम्
सप्तशतम्
सप्तशतम्

सप्तशतम्
सप्तशतम्
सप्तशतम्

सप्तशतम्
सप्तशतम्
सप्तशतम्

सप्तशतम्
सप्तशतम्
सप्तशतम्

Handwritten text in Devanagari script on aged, stained paper. The text is arranged in approximately 12 horizontal lines, though the script is heavily obscured by ink bleed-through and significant water damage. The visible characters are fragmented and difficult to decipher, but appear to be a form of Sanskrit or Hindi. The paper is heavily discolored, showing brown and tan hues, and the edges are irregular and worn.

Isidorus

五
卷

सप्तमः

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

संख्या । क्रियादि

ਸਤਿਗੁਰ ਪ੍ਰਸਾਦਿ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

卷之五

五

अ
५
३
२
१

卷之五

सामान्यतया

卷之五

[illegible]

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

काशीवः २५५६

如斯：其方也。

५५०६४८७९१०

五
六

一
 二
 三
 四
 五
 六
 七
 八
 九
 十
 十一
 十二
 十三
 十四
 十五
 十六
 十七
 十八
 十九
 二十
 二十一
 二十二
 二十三
 二十四
 二十五
 二十六
 二十七
 二十八
 二十九
 三十
 三十一
 三十二
 三十三
 三十四
 三十五
 三十六
 三十七
 三十八
 三十九
 四十
 四十一
 四十二
 四十三
 四十四
 四十五
 四十六
 四十七
 四十八
 四十九
 五十
 五十一
 五十二
 五十三
 五十四
 五十五
 五十六
 五十七
 五十八
 五十九
 六十
 六十一
 六十二
 六十三
 六十四
 六十五
 六十六
 六十七
 六十八
 六十九
 七十
 七十一
 七十二
 七十三
 七十四
 七十五
 七十六
 七十七
 七十八
 七十九
 八十
 八十一
 八十二
 八十三
 八十四
 八十五
 八十六
 八十七
 八十八
 八十九
 九十
 九十一
 九十二
 九十三
 九十四
 九十五
 九十六
 九十七
 九十八
 九十九
 一百

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

विषा नगः नयनः

卷之五

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

[illegible]

शिवः शिवः शिवः

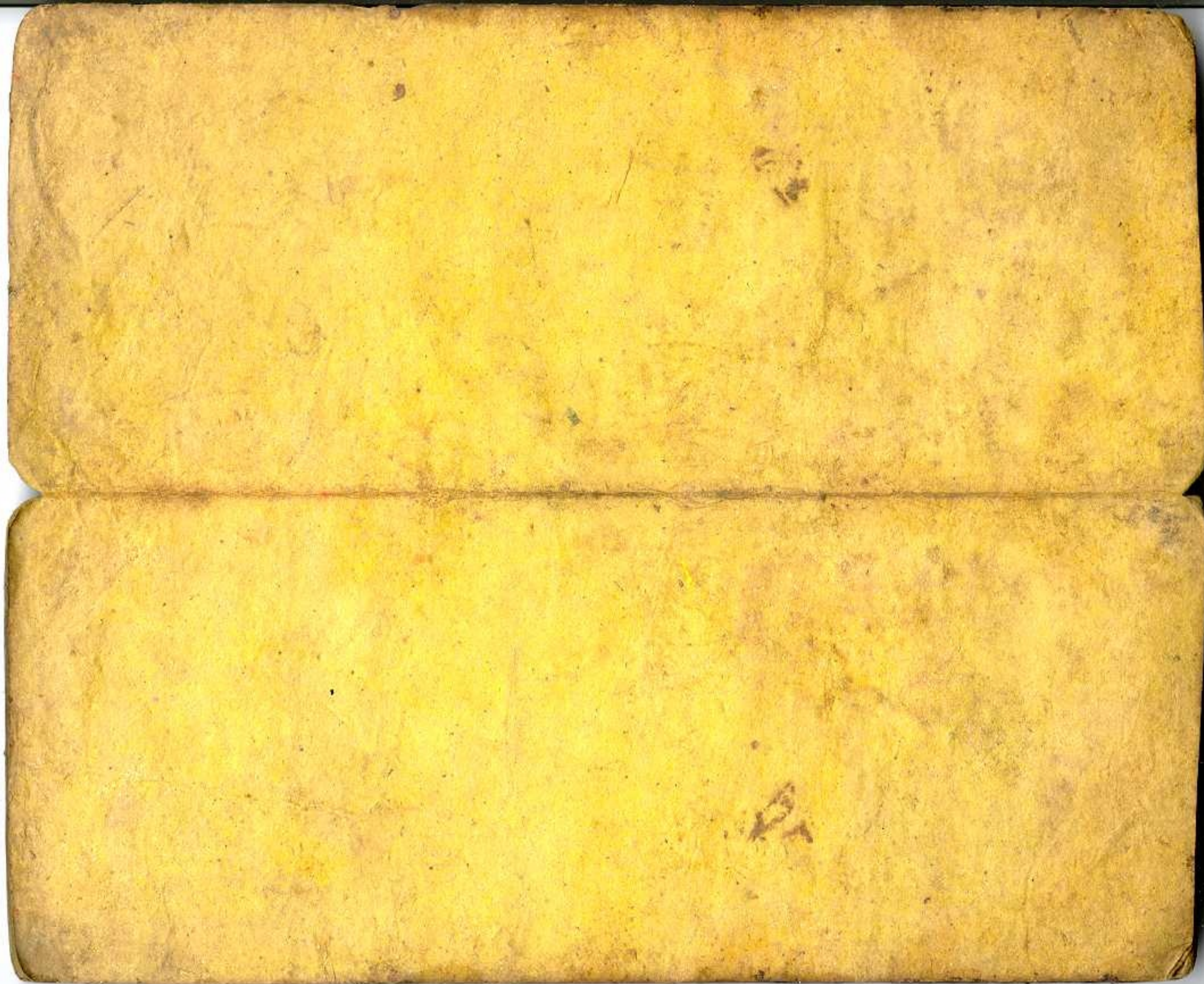
आचार्योक्तं

卷之三

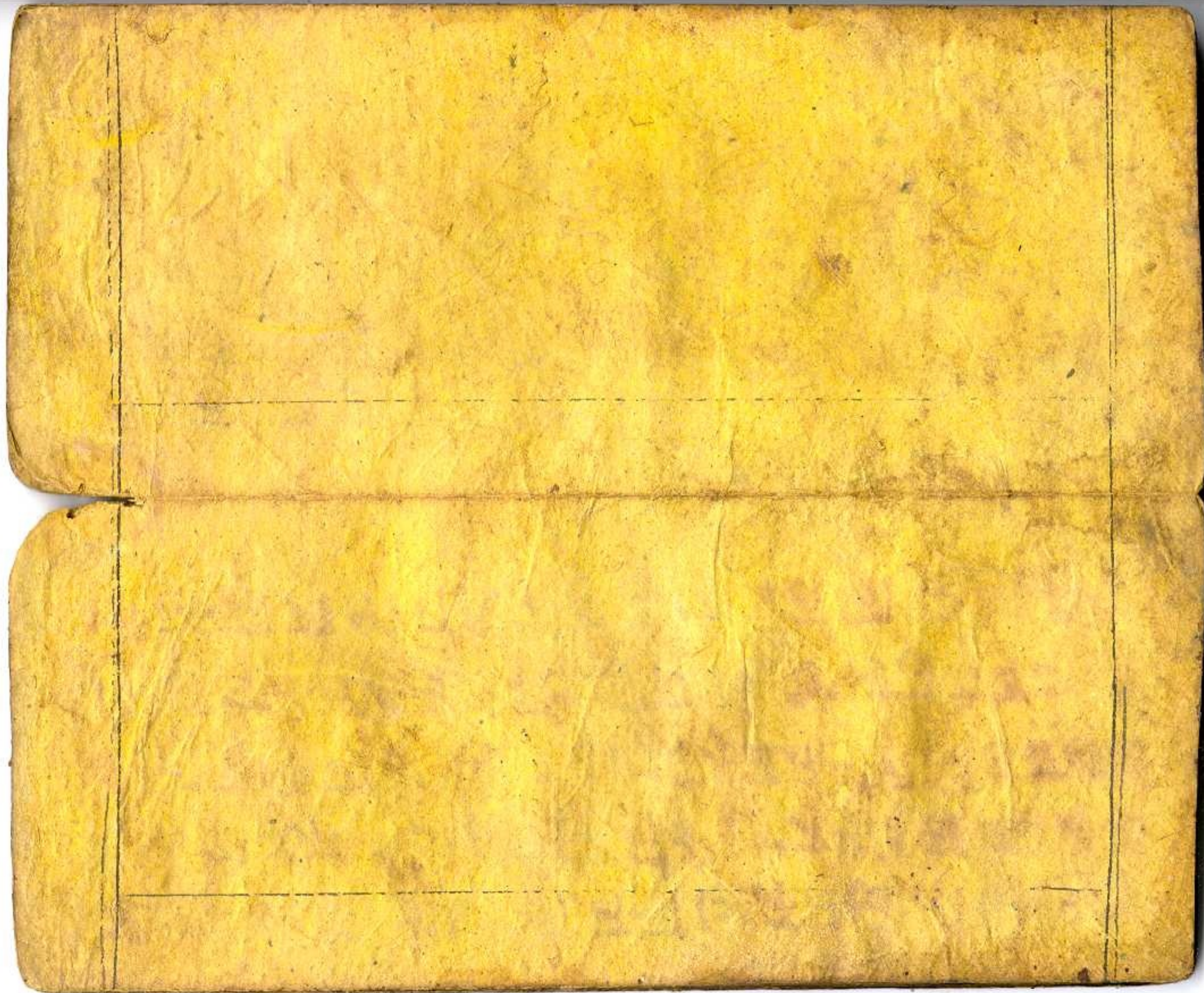
आशा सरकाथि

678

ASHA ARCHIVES



[illegible][illegible]





[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
 कुरु मे प्रसादात् सदा यथाज्ञानं चित्तम् ॥
 अथ श्रीभक्त्योगो नाम त्रयोविंशोऽध्यायः ॥
 इति श्रीभगवानुवाच ॥ शुक उवाच ॥

१००१ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
कृष्णार्जुनसंवादे ॥ १ ॥

कृष्ण उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥
अर्जुन उवाच ॥ कृष्ण उवाच ॥
अर्जुन उवाच ॥ कृष्ण उवाच ॥
अर्जुन उवाच ॥ कृष्ण उवाच ॥
अर्जुन उवाच ॥ कृष्ण उवाच ॥
अर्जुन उवाच ॥ कृष्ण उवाच ॥